

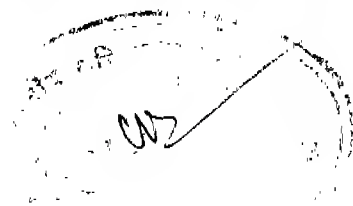


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 136]
No. 136]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 9, 1991/आषाढ़ 18, 1913
NEW DELHI, TUESDAY, JULY 9, 1991/ASADHA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार विभाग)

सार्वजनिक सूचना सं. 174आईटीसी (पीएन)/90-93

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 1991

विषय :—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.)
द्वारा इंदिरा गांधी नहर परियोजना (इंजीनियरी सेवाएं) के लिए विस्तारित 0.084 बिलियन डेन के लिए 27-3-90 के डेन क्रेडिट ऋण सं. आई डी पी-69 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग गतें।

फाइन में आई पी सी/23 (75)/90-93:—जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा विस्तारित इंदिरा गांधी नहर परियोजना (इंजीनियरी सेवाएं) के लिए विस्तारित 0.084 बिलियन डेन के 27-3-90 के डेन क्रेडिट ऋण सं. आई डी पी 69 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात पर लागू होने वाली लाइसेंसिंग गतें जोड़व सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचनाएं अधिगृहीत की जाती हैं।

डी. आर. मेहता,
मुख्य निबंधक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 174-आर टी सी
(पीएन)/90-93, दिनांक 9 जुलाई, 1991 का परिशिष्ट।

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा इंदिरा गांधी नहर परियोजना (इंजीनियरी सेवाएं) के लिए विस्तारित 0.084 बिलियन डेन के लिए 27-3-90 के डेन क्रेडिट ऋण सं. आई डी पी-69 के अन्तर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग गतें।

खण्ड—1 सामान्य गतें

1 (1) इंदिरा गांधी नहर परियोजना (इंजीनियरी सेवाएं), राजस्थान राज्य सरकार की आयात आवश्यकता के विवरण के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा प्रदान किये गये 0.084 बिलियन डेन का ऋण जापान और विकसित देशों जिनमें भारत और ओ.ई.सी.डी. के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के लिए खुला है। तदनुसार इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुसूच-1 की सूची में उद्धृत गयीं देशों (भारत सहित) से आयात की जा सकती हैं जो कि इस ऋण के अन्तर्गत पात्र स्वीकृत देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन अधीन उन्हीं मरों और उरों मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महाप्रदेशालय,

तकनीकी विकास/पूँजीगत माल सभित द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 0.092 बिलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिभुक्तित विनिमय दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आई टी सी (पी एन) / 74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सी) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनिमय दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नामे डालेगा। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन" ऋण सं. आ डी पी 69" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एस/जे सी" कोड होगा। यह इंदिरा गांधी नहर बोर्ड, राजस्थान राज्य सरकार को आयात लाइसेंस भेजते समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पत्र में भी दुहराया जाएगा जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पठाई जायेगी की जानी चाहिए।

1(3) आयात लाइसेंस केवल इंदिरा गांधी नहर बोर्ड के पक्ष में जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करते हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुल मूल्य 0.092 बिलियन (लागत बीमा भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए, जैसा कि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयातक लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और धारण की अवधि के लिए वृद्धि दी जा सकती है। धारण और बढ़ करने के लिए नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तियन किए जाने वाले आयात लाइसेंसिंग प्राधिकारियों द्वारा विधिवत स्थापित आयात लाइसेंस से सम्बद्ध माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अधिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इसलिङ लाइसेंस पर ही प्रसारित किए जाएंगे।

1(8) उसके आदेश अनुबन्ध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत-बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा मूल्य के आधार पर किए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारत में भारतीय रुपये में देय होगा। "पक्के आदेशों" का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन फ्रय आदेशों में है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित होया भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित फ्रय संविदा हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अधिकर्ताओं को दिए गए आदेश और/या ऐसे भारतीय अधिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्वीकार्य नहीं है।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों को इस शर्त का सब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण वस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में मया-उल्लिखित पक्के आदेश

चार महीने के भीतर बैठ कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीनों के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे आवेदनो पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों की और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि आयात लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि ऐसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले को पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे, जिसको वे लाइसेंसधारी को पेश करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल ऐसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के प्रयोग किए गए संभरण ठेकों को पूर्ण करने के संबंध में साक्ष्य-पत्र स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र की सुविधा और मुख्य धन्यता जमा करने आदि की स्वीकृति आदि की अनुमति देंगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति के चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान प भ्रम-भ्रमण भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नुक़ा आधार पर अर्थात् पोतलदान दस्तावेज प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

"साखपत्र की प्राप्ति के बाद ————— महीने परन्तु अधिक से अधिक ————— के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।

पोतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह तिथि 31-10-1992 के बाद की न हो।

खण्ड-2 संभरक ठेके का गमभीता करने समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन का भिन्न हटा दिया जाए) अभिव्यक्त होना चाहिए और भारतीय अधिकर्ता का कमीशन, यदि कोई हो, तो वह शामिल नहीं होना चाहिए जोकि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

किसी भी परिस्थिति में संविदा मूल्य भारतीय रुपये में अथवा किसी अन्य मुद्रा में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। फ्रय आदेश और संभरक का पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति ऋण के अन्तर्गत अधिप्राप्ति के लिए मार्ग-दर्शन बिन्दुओं के अनुसार निम्नलिखित नमूने के साथ की जाएगी:—

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के अ और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में

(1) यदि पूर्ण अर्हता मॉडल खूबी अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाते का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ. ई. सी. एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ. ई. सी. एफ. को सहमति और पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय

और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त भावेदन-पत्र के साथ-साथ दस्तावेज आदि ओ. ई. सी. एफ. को भी उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ. ई. सी. एफ. के पूर्व अनुमोदन की आवश्यकताओं नहीं हैं। लेकिन यदि ओ. ई. सी. एफ. अनुरोध करें तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

(ग) अगर परामर्शदात्री फर्मों का नियोजन किया जाए तो ऐसी फर्मों को निम्नलिखित सभी शर्तें पूरी करनी होंगी :—

- (1) दिए गए अधिकांश शेरों के धारक पात्र स्त्रोत देशों के नागरिक होने चाहिए।
- (2) अधिकांश पूर्णकालिक निदेशक पात्र स्त्रोत देशों के नागरिक होने चाहिए।
- (3) ऐसी फर्में पात्र स्त्रोत देशों में निगमित तथा पंजीकृत होनी चाहिए।

(घ) परामर्शदाताओं के नियोजन के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों के संबंध में भी ओ. ई. सी. एफ. का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा :—

- (1) शर्तें
- (2) परामर्शदाताओं की संक्षिप्त सूची
- (3) निमंत्रण पत्र
- (4) संक्षिप्त मूल्यांकन शीट सहित मूल्यांकन रिपोर्ट।

(ङ) प्रत्येक ठेके के साथ परामर्शदाता की पात्रता के संबंध में परामर्शदाता के हस्ताक्षर तथा तारीख सहित निम्नलिखित घोषणा संलग्न की जाएगी :—

"मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा यह प्रमाणित करता हूँ कि (फर्म का नाम) (संबंधित पात्र स्त्रोत देश का नाम) में निगमित और पंजीकृत है, और एक पात्र परामर्शदात्री फर्म है जिसके प्रतिशत (%) समर्पित शेरों के धारक (संबंधित पात्र स्त्रोत देशों का नाम) के राष्ट्रिक हैं और प्रतिशत (%) पूर्ण कालिक निदेशक (संबंधित पात्र स्त्रोत देशों के नाम) के राष्ट्रिक हैं।"

(च) आयातक उपर्युक्त क(1)(2), ख और घ में उल्लिखित भावेदन पत्र/दस्तावेज आर्थिक कार्य विभाग को भी प्रतियों में प्रस्तुत करेगा जो उसके द्वारा ओ. ई. सी. एफ. को भेजे जाएंगे।

2(3) विदेशी संभरक की भुगतान, उनके नाम में बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा 1989-90 के लिए ओ. ई. सी. एफ. येन क्रेडिट (परियोजना) सहायता से संख्या आई.पी. 69 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखमंल के माध्यम से किया जाना चाहिए जिसका ध्यौरा मोक्षे खंड 7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के प्रति केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है, जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से तुरन्त बाद जित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता—संभरक पात्र स्त्रोत देशों के राष्ट्रिक या पात्र स्त्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए वैध व्यक्ति होंगे जिसके पास पात्र स्त्रोत देशों में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपयुक्त सुविधा हो और जो वहां वास्तव में अपना कार्य व्यापार चलाते हैं।

2(6) अपात्र स्त्रोत देशों ने अनुमेय आयात—जिन वस्तुओं में अपात्र स्त्रोत देश/देशों से बनी हुई सामग्री निहित है उसके लिए वित्तदान किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मदवार आधार पर आयातित भाग के 50 प्रतिशत से कम हो :—

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(भारतीय संभरकों के संबंध में एक फेक्टरी मूल्य अपनाया जायगा)

2(7) संविदा में घोषणा—प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता, संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :—

"मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल (संबंधित पात्र स्त्रोत देश का नाम) में उत्पादित है।"

"मैं अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्त्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क $\times 100$

संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य

(जहां एक फेक्टरी मूल्य लागू हो)

"मैं अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम) (पात्र स्त्रोत देश का नाम) में समाविष्ट और पंजीकृत है और उसके पास (पात्र स्त्रोत देशों का नाम) में माल तथा सेवा के उत्पादन या उन्हें प्रदान करने की उपयुक्त सुविधा है और वह वहां वास्तव में अपना कार्य व्यापार चलाती है।"

खण्ड 3—संभरण ठेकों में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें।

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप में समाविष्ट होने चाहिए।

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी प्राधिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच इंदिरा गांधी नहर परियोजना (इंजीनियरी सेवाएं) के लिये येन क्रेडिट सं. आई.पी. 69 दिनांक 27 मार्च, 1990 से संबंधित ऋण समझौते के अनुसार की जाएगी।

(ख) संभरकों की भुगतान, भारत सरकार और जापान की विदेशी प्राधिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के बीच येन क्रेडिट सं. आई.पी. 69 से संबंधित 27-3-90 को हुए ऋण समझौते के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साख पत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ.ई.सी.एफ. द्वारा येन ऋण व्यवस्थाओं के अधीन अपेक्षित हों।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि संभरक जापान में स्थिति हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय नृनावास

टोकियो के परामर्श पर पीत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो की शामिल माल की सुपुर्गी के कार्यक्रम से भ्रवगत कचण्णा और पीतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास की सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ भारतीय आयातक इच्छुक हों, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को भी प्रत्येक पीतलदान के पश्चात् आवश्यक व्योरे देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो की भेजी जानी चाहिए।

खण्ड 4 : ओ.ई.सी.एफ. द्वारा ठेके की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आवेदन देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरकों दोनों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियाँ जो संभरक द्वारा लिखित में पुष्टि आवेदन के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियाँ संगत और बीच आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियाँ सहित और अनुबन्ध 2 में प्रपत्र में "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन" की दो प्रतियाँ आर्थिक कार्य विभाग को भेजना चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषयवस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संविदा संशोधनों पर भी लागू होंगे जिनके कारण अनिवार्य रूप से आशोधन करने पड़े।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस समीक्षा के लिए ओ.ई.सी.एफ. को भेजेगा। आयात लाइसेंस की फोटो कापी और "प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन" की एक एक प्रति सहित ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके का एक एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग भारतीय दूतावास, टोकियो और ओ.ई.ए.एण्ड ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड 5 : विदेशी संभरकों का भुगतान साख्यपत्र क्रिया विधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक बैंक याफ इंडिया के टोकियो शाखा का संबंधित संलग्न अनुबन्ध 3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक ऑफ इंडिया की टोकियो ब्रांच संबंधित विदेशी संभरक के नाम में संलग्न अनुबन्ध 4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिचालनीय साख्यपत्र होलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियाँ ओ.ई.सी.एफ., भारतीय दूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक, आर्थिक कार्य विभाग (जापान विभाग) वित्त मंत्रालय का पृष्ठांकित की जाएगी।

5(3) प्राधिकार पत्र मिलने पर भारतीय बैंक, टोकियो, अनुबन्ध 4 (आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध 5 (सेवाओं के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिचालनीय साख्यपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) भारतीय दूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए.एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर साख्यपत्र खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अव्यथा के लिए आवश्यक समझी जाने वाले ऐसे सभी प्रकार प्राधिकार पत्र/साख्यपत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पीतलदान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साख्यपत्र उल्लिखित दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से रिहा किया जाएगा और उसके बाद उक्त धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साख्यपत्र खोलने, उसके अधीन लेन देन करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय बैंकिंग प्रभार और विदेशी संभरकों के बैंकिंग प्रभार, यदि कोई हो, तो वे आयातक विदेशी संभरकों द्वारा वहन किए जाएंगे ओ.ई.सी.एफ. ठेके के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ.ई.सी.एफ. द्वारा स्वयं धन/निधियों में से चुकाई जाएगी।

ओ.आई.सी.एफ. या सहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को बचनबद्धता पत्र के खर्चों के तुल्य धनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होगी। ओ.ई.सी.एफ. को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियों शामिल करके) ब्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के तहत भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्चा चुकाया जाना है। धनराशियों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक को भतायगी की तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबंध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को धन परेषण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की रकम के संवितरण के लिए क्रियाविधि ऋण समझौते से संबंधित प्रति-पूति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड-6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को पर्याप्त पीत-परिवहन दस्तावेज रिजर्व होने से पहले, भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंकर को किए गए देन भुगतान के समतुल्य रुपये पर ब्याज प्रभार प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष और अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूप से रुपया जमा करने की तिथि तक का हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना 31-आई टी सी (पी एन) 83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ ब्याज प्रभार भी सरकारी लेखा में जमा कराना है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि ब्याज दोनों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखे में रुपया जमा किया जाता है देय है। बैंकिंग सार्वजनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन) 76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन) 83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन) 74, दिनांक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चय करने के लिए आयातक को असल से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पीत-परिवहन प्राप्ति दस्तावेजों की देरी या विलम्ब से प्राप्त को रुपया निक्षेप पर लगने वाले ब्याज की आंशिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए देन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना के लिए अगला जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह निश्चित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 113 आई टी सी (पी एन) 88-91, दिनांक 8-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम निबंधन परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करना भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि येन धनराशि आयातकों को आयात वस्तुओं के सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी है। आयातक को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय सुनिश्चित करने के लिए आयातक की तब भी जिम्मेदारी होगी जब से विशेष परिस्थितियों के घटने के तत्पश्चात् प्राधिकारियों से माल की सुपूर्दी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देय धनराशि को माल की सुपूर्दी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य निबंधक आयात-निर्यात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रूपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट्स एण्ड ऐडवांसिज-8443-सिविल डिपॉजिट्स, डिपॉजिट्स फार परफेजिज एटसट्रा प्रजाद परफेजिज प्रजाद डिपॉजिट्स/लोन एपीसीएस" डिपॉजिट्स लोन फ्रॉम दि गवर्नमेंट आफ जापान 0.084 बिलियन येन क्रेडिट सं. आई बी पी-69 फार बी ई वि. गांधी नहर प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग सर्विसिज) होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, तीस हजारी, दिल्ली में आलान के ऊपर वाहिनी और कोने में कोड सं. 5130000009 का संकेत देते हुए सरकार के खाते में इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में यथा-निर्धारित तरीके से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर भारत में आयातक का संबंध बैंक की ऊपर निर्धारित तरीके से वह प्रतिरिक्त धनराशि सेवा खर्चों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। आलान के विभिन्न कालनों को भरते समय आयातकों को इस बात की सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना आलान के कालम "धन परेपण और प्राधिकारी यदि कोई हो" के पूर्ण ब्योरे" निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:-

- (क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक।
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उसके पश्चात् सी.ए.ए.ए.ए. द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का सन्दर्भ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन वस्तुओं को संलग्न करते हुए खजाना आलान रूपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए.ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी :—भारत में आयातक के बैंक यह निश्चित करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप भारतीय बैंक टोकियो से धरायगी की सूचना और पराक्रम्य पोतलवान दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया गया है और यह कि उसके तत्काल बाद सी.ए.ए.ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को तथ्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-7 विविध व्यवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक को पोतलवान और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साखपत्र खोलने के बाद मासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, बी विंग, 5वां, तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों को विशेष शर्तों के बारे में सूचित करना।

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबन्धों से संभरक को प्रयुक्त करा देना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर प्रभाव डालते हैं।

7(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि लाइसेंसधारी और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें अनुबन्ध-2 में "भुगतान की शर्तों" के अन्तर्गत प्रकटी तन्त्र से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। विवाद की शर्तों में विवाद को निपटाने से संबंधित शर्तें शामिल होनी चाहिए।

7(4) भावी अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी मामले या सभी मामलों से संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौता (परियोजना सहायता) सं. आई बी पी-69 के अधीन सभी आभाओं को विदेशी आर्थिक सहयोग निधि जापान (ओ. ई. सी. एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए निवेशों या आदेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पासन करना होगा।

7(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

7(6) अनुबन्धों की सूची

- | | |
|--------------|--|
| 1. अनुबन्ध-1 | पात्र स्रोत देशों की सूची। |
| 2. अनुबन्ध-2 | प्राधिका पत्र जारी करने के लिए अनुसूच। |
| 3. अनुबन्ध-3 | प्राधिकार पत्र का प्रपत्र। |
| 4. अनुबन्ध-4 | साखपत्र का प्रपत्र (आयातों के लिए लागू)। |
| 5. अनुबन्ध-5 | साखपत्र का प्रपत्र सेवाओं के लिए लागू) |

अनुबन्ध-1

पात्र स्रोत देशों की सूची

क. विकासशील देश और क्षेत्र

(क-1) विशेष आर्थिक सहयोग से भिन्न विकासशील देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा

मिश्र

मोरक्को

तुनीशिया

2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा

अंगोला
बेनिन
बोतस्वाना
बुरुंडी
कैमरून
केप वर्दे द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र
चाड
कोमारो प्राइलैंड
कांगो, दक्षिणी का गणतंत्र
इक्वेटोरियल गिनी (1)
इथोपिया
ज़ाम्बिया
ज़ाना
गिनी
ग्राइवरी कोस्ट
केन्या
लेसोथो
लाइबेरिया
मालागासी गणतंत्र
मालावी
माली
मॉरिटानिया, मॉरिशस
मोजाम्बिक
सेंट हेलेना और डेप (2)
साओ टोमो और प्रिंसिपल
सेनेगल
सेचिलीज
सीयरे लिओन
सोमालिया
सूडान
स्वाज़ीलैंड
टेरो, अफर्स और इस
टोगो
यूगान्डा
तंज़ानिया गणतंत्र संघ
अपर वोल्टा
जाइरे गणतंत्र
ज़ाम्बिया
अफ्रीका, उत्तरी और केन्द्रीय
बहामा
बरमुडा
बारबाडोस
बेली
कोस रीकर
क्यूबा
डॉमिनिकन गणतंत्र
एल सबाडोर
गुडालोप
ग्वाटेमाला
ह्वेटी
हॉन्डुरस

जमैका
मारे टनिका
नार्वेज
पुर्तगाल गिनी
रियूनियन
रोडेशिया
स्वान्डा
मैक्सिको
नीदरलैण्ड एन्टीलीज
निकारागुआ
पनामा
सेंट पियरी और मिक्यूलोन
ट्रिनिडाड और टोबागो

(3) मुख्य द्वीप समूह, अरुबा, बोनाइरे, क्यूराकाओ, सांटा सेन्ट।

3. अमेरिका उत्तरी और मध्य

वेस्ट इन्डिज (शाखा) एन. अर्थात्

(क) सह-सम्बन्ध राज्य (1)

(ख) आश्रित (2)

4. दक्षिणी अमेरिका

अर्जेन्टीना
बोलिविया
ब्राजील
चिली
कोलम्बिया
फाकलैण्ड द्वीप समूह
फॉम गिनी
गुयाना
पराग्वे
पेरू
सूरिनाम

5. मध्य पूर्वी एशिया

बहरीन
इजराइल
जोर्डन
लेबनान
ओमान
सिरियाई अरब गणतंत्र
यूनाइटेड अरब
अमिरात (3)
यमन अरब गणतंत्र
यमन जनबाबी गणतंत्र (4)

(1) मुख्य द्वीप एन्टिक, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेंट क्रिस्टोफ़र
नोविस-अंगुइला, सेंट लुसिया और सेंट विन्सेंट।

(2) सेंट प्राइलैंड मोल्डोव, सेमान गुर्ग और फाइकोल और
ब्रिटिश द्वीप समूह।

(3) अज़मन, बुवई, फुजैराह, रास अजमेमा, शरजाह और अममल
क्वाइवान।

(4) अदन और विभिन्न सल्तनत और अमीरात सहित।

(1) फरनाडो पी-ओ द्वीप, सहित स्पेन गिनी का प्रवेश।

(2) निम्नलिखित द्वीपों सहित :--एरकेनियन ट्रिस्टेन का एलएक्ससे-
सिवस्स, नाइटिनेगेल, गफ।

6 दक्षिण एशिया

अफगानिस्तान
बंगला देश
भुटान
बर्मा
भारत
मालदीप
मालदीप
नेपाल
पाकिस्तान
श्री लंका

7 मुख्य पूर्वी एशिया

बरुनी
हांग-कांग
खमेर गणतन्त्र
लाओस
मकाओ
मलेशिया
फिलीपाइन
सिंगापुर
साइवान
थाइलैण्ड
तिमोर
वियतनाम गणतन्त्र
वियतनाम जनवादी गणतन्त्र

8. ओसिनिया

कुकि द्वीप समूह
फिजी
गिल्बर्ट और इलाइल द्वीप
फासिस पोलिनेशिया (5)
नार
न्यू कैलेडोनिया
न्यू हेब्रिसिस (ब्र और प्र.)
नियु
पैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पापुवा न्यू गिनी
मोलोभन द्वीप समूह (ब्रा.)
टोंगा
वालिस और फूतुना
पश्चिमी सामोआ

(क-2 ओ. पी. ई. सी. के सदस्योक्त देश)

अल्जीरिया
बोस्निया
लीबियाई अरब गणतन्त्र
बर्मा
नाइजीरिया
इक्वेडोर
वेन्जुएला
इरान
इराक
कुवेत
कतार
सऊदी अरब
घाबू-घाबी
इन्डोनेशिया

(ख) ओ. ई. सी. पी. देश

ऑस्ट्रेलिया
बेल्जियम
कनाडा
डेनमार्क
फिनलैण्ड
फ्रांस
फेडरल रिपब्लिक ऑफ जर्मनी
ग्रीस
आइसलैण्ड
आयरलैण्ड
इटली
जापान
लक्समबर्ग
नीदरलैंड
न्यूजीलैण्ड
नार्वे
पुर्तगाल
स्पेन
स्वीडन
स्विट्जरलैण्ड
टर्की
इंग्लैण्ड
संयुक्त राज्य अमेरिका

उपबन्ध 2

9. यूरोप

माइप्रस
जिब्राल्टर
ग्रोस
माल्टा
स्पेन
टुर्की
यूगोस्लाविया

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए

घाबेवन पत्र

संख्या

दिनांक

सेवा में

सहायक लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,
यू. ओ. बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पार्सियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

विषय—येन फ्रेडिट सं. आई डी पी (198 के लिए परियोजना सहायता)
के अन्तर्गत -----को -----का आयात

सहायक,

ऊपर उल्लिखित येन फ्रेडिट सं. आई डी पी -----
(परियोजना सहायता) के अधीन ----- से -----

(5) मोसाइटी आई. लैक्स समूह (गार्डिनी सहित) का शामिल
करते हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, टुआमोटू-गम्बियर ग्रुप और
मारक्यूसे द्वीप समूह ।

10 पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप. मार्शेन द्वीप समूह
और मैरिन द्वीप समूह (गाना को छोड़कर) ।

आयात के संबंध में ————— (बैंक का नाम) —————
 बही होना चाहिए, जो नीचे (इ) में सम्बद्ध विदेशी संभरक के नाम
 साखपत्र खोलने के लिए बिया गया है वे पत्र में प्राधिकार पत्र जारी करने
 के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्योरे प्रस्तुत करते हैं :—

उपाबंध—3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता ।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख
 जिस तक वैध है ।

(ग) अधिप्राप्ति के तरीके—क्या वह सीधे क्रम पर
 आधारित है या औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर
 आधारित है या इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट
 करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी
 प्रभाव के आधार पर किया गया है ।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण ।

(ङ) माल का उद्गम देश ।

(च) यदि कोई हो, तो पात्र से इतर शीत देशों से आयातित का
 प्रतिपाद ।

(छ) संविदा का कुल जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा
 मूल्य (येन) में ।

(ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के भी कमीशन की घन
 राजि (येन) में ।

(झ) वास्तविक जहाज पर्यन्त निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य
 (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है ।

(ञ) निविदाओं के संस्करणों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं
 दिनांक ।

(ट) विदेशों के संभरक का नाम और पता ।

(ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित तिथियां जिनको संविदा के
 अन्तर्गत भुगतान देय होंगे ।

(ड) सुपुर्वगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि ।

(ड) बैंक जाफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए
 जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका
 निपटान दिखाते हुए) ।

(ण) रोल्लदान अनुदेश, वाहतास्तरण/पार्ट शिपमेंट की अनुमति की
 गई है या नहीं, निर्दिष्ट कीजिए ।

(त) मार्ग में आयातक के बैंक का नाम और पता ।

(थ) क्या उमी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (सविदाएं) कर दी
 गई हैं और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया
 गया है । यदि हां जो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक
 और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह सदस्य जिसके अन्तर्गत
 श्री ई. सी. एक. को अधिसूचित किया गया है ।

(व) क्या साखपत्र के संचालन और रखरखाव के लिए बैंक आफ
 इंडिया, टोकियो का वर बैंक खर्च आयातक द्वारा या संघटकों
 द्वारा वहन किए जाने हैं ।

(घ) आयातक द्वारा वक्तव्यदेताः—

"हम एतद्द्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर
 से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को
 पूरा और सही जमा करने का वक्तव्य देने हैं । प्रत्येक विशेष
 माल (आयातित सामग्री) को सुपुर्वगी नियम से पूर्व तत्काल ही
 जमा करा दिया जाएगा । विदेशी संभरकों के संबंध में हमें
 हमारे द्वारा अनुमोदित होते ही और उनकी अदायगी करते ही

विदेशी राष्ट्रीयता की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में
 निवेश कर दिए जाएंगे और संभरकों को भुगतान कर दिया
 जाएगा " ।

सं.

भारत सरकार
 वित्त मंत्रालय
 प्राथिक कार्य विभाग
 नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक ऑफ इंडिया,
 टोकियो शाखा,
 टोकियो (जापान) ।

विवयः—येन क्रेडिट (परिचयना सहायता) कृणु करार सं. आई. बी.
 पी. ————— के अधीन आयात साखपत्र खोलने के लिए
 प्राधिकार पत्र जारी करना ।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक————— को किए गए समझौते
 की शर्तों के अनुसार आपको एतद्द्वारा यथा संलग्न ब्योरे के अनुसार
 मिसर्स ————— के नाम में ————— येन घनराशि के लिए
 अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक के
 बैंक, श्री ई. सी. एक. भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पृष्ठांकित
 की जाए ।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार परस्म में संभरकों को भुगतान
 आपको निधि से किया जाएगा । आप श्री ई. सी. एक. को आवश्यक
 दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करें ।

4. विदेशी संभरक को अदायगी करते समय आपके द्वारा —————
 (आयातक के बैंक के नाम व पता) मूल पीतलशन दस्तावेज (विनिमय),
 अनिश्चित पूर्ण वस्तावेजों के सेट के साथ तथा संभरक की की गई अदायगी
 की नामें डालने की सूचना तत्काल अदायगी, यदि कोई की गई हो, तो
 उसकी प्रति भेजें ।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से श्री ई.
 सी. एक. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के
 लिए आपको कृताए जाने योग्य क्राज प्रभार भारद्द सरकार के लेखे पर
 प्रभार डाले बिना सामान्य बैंकिंग शर्तों के माध्यमों से भारत में संबंधित
 आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे । बैंकों के अन्य
 खर्चों जिसमें साखपत्र खोलने, रखरखाव करने और साखपत्रों के संचालन
 और मोबा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो,
 तो विदेशी संभरकों के बैंक के खर्चों भी विदेशी संभरक/आयातक को ही
 देते पड़ेगे और इसलिए उन्हें मारे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया
 जाए । इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा श्री ई. सी. एक. से
 नहीं किया जाएगा ।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रति-
 पूर्ति प्राप्त कर दी जाए, तो उसकी सूचना निर्वाचित पत्र में उस मंत्रालय
 को भेजे दी जानी चाहिए ।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के
 लिए है । साखपत्र में बाद में किए जाने वाले संशोधन या प्राधिकार पत्र

के मद्दे भविष्य में माखपत्र का मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना बंध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र ----- तक बंध रहेगा।

9. कृपया इस करार से संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संस्था का उल्लेख करें।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:—

1. आयातक ----- की उसके पत्र सं. ----- दिनांक के ----- के सम्बंध में।

उत्तसे अनुरोध है कि बैंकों में विनियम दस्तावेजों की छिनीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण निक्षेप कक्ष छिनीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्राधिकारियों में मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो छिनीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रीकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर दिए जाएं। निक्षेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथाउल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

आयातक का बैंकर

2(1) यह आयात लाइसेंस सं. दिनांक के सम्बंध में है यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया जाता है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित मार्गजनि संचनाओं/आदेशों को देखें और आयात/विदेशी भुगतान करने समय उचित कार्रवाई करें।

2(2) उत्तसे निवेदन किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना मार्गजनि संचना सं. 113-आई टीसी (पी एन)/88-91, दिनांक 6-4-89 या अन्य ऐसी ही मार्गजनि संचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को भुगतान की तिथि/बैंक आफ इंडिया को प्रति पूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी मार्गजनि संचना सं. 31-आई टीसी (पी एन)/83, दिनांक 18-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना है। व्य.ज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है वह और भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कर दिया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह मुनिष्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकाली के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सैट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

3. वे धनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक तीस हजारों में बालान के बाहिनी और कोड सं. 5130000009 दर्शाते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-आई टीसी (पी एन) 68, दिनांक 30-8-68 तथा 233 आई टीसी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, 132 आई टीसी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971, सं. 74-आई टीसी (पी एन)/74 तथा 103-आई टीसी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिल.य. ज.त. है। इस लेखा शीर्ष में रुपया जमा करना है "के डिप.जिड्स एण्ड एडवांसिज-8443—सिविल डिप.जिड्स—डिप.जिड्स फार परचेजिज एटसेट्रा अग्रोड अग्रडर परचेजिज अग्रडर क्रेडिट/लोन एग्जीमेंट्स लोन फ्रोम द गवर्नमेंट ऑफ जापान—विलियन येन क्रेडिट (परियोजन, सहायता) सं. आई टीसी फार 19... है।

4. जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारों दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टीसी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में बालान का मूल रूप ने एक प्रतिलिपि उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजी चाहिए, जिसके साथ बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अग्रपत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा तथा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग), बी.वि. 5वां तल, जनपथ भवन, नई दिल्ली।

5. जिन मामलों में तुल्य रुपया उपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्ड्री द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पत्र पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए तुल्य रुपये का पूरा ब्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

6. संभरक को भुगतान करने की तिथि और आई टीसी एफ द्वारा बैंक आफ इंडिया, टोकियो को वेध ब्याज प्रभार बैंक सूत्रों के माध्यम से भारत सरकार के लेखों पर प्रभाव डाले बिना बैंक आफ इंडिया, टोकियो के साथ आपके द्वारा सीधे नियमित किए जाएंगे।

(7) संभरक को की जाने वाली प्रत्येक अदायगी, मूल प्रलेख चाहे वह वाणिज्यिक बीजक, बैंक गारंटी, कार्य निष्पादन गारंटी, पोत-परिवहन हस्तादि के लेन-देन संबंधी सैट ही क्यों न हो को उपर्युक्त (2) और (3) पर कार्यवाही न की जाए तो आयातक को उन्हें रिलीज न किया जाए।

(8) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत वितरक के रूप में बैंक के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न ए.डी. परिपत्रों में निर्धारित किया गया है। इस संबंध में 18-6-77 के ए.डी. परिपत्र सं. 22 के विशेष मन्वस की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

(9) इस पत्र की पावती भेजी जाए और आगे पत्राचार में सन्दर्भ हस्तादि को दर्शाया जाए।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 विदेशी सहयोग निधि टाकेवासी गोडो बिल्डिंग-4-1 ओहट्टेमासी-1, कोमे, शिबोडा कू, टोकियो 100, जापान

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखा अधिकारी

उपाबन्ध-4

प्रपत्र श्री ई. सी. एफ. एल. सी.-1
अपरिवर्तनीय साखपत्र
(माल के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में,

.....
.....

यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार सं.....दिनांक के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे बीजक मूल्य के लिए आपके मास्ट्र कार्डों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने आपके पत्र में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं..... खोल दिया है जो (अर्थात् येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए :—

हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक, पोत परिवहन निबन्ध लयान बिल जिसमें किए गए आदेशों का पूरा सैट हो, ब्लैक प्रूफांकित एवं चिन्हित "फ्रेट एवं नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिनमें पोतलदान (माल के लयान का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करते हुए संविया सं. (यदि कोई हो) के सन्दर्भ में से तक आंशिक पोतलदान स्वीकृत है। बाह्यनंतर स्वीकृत है। ड्राफ्ट बिल तक की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट तक लेन-देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अन्तर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. दिनांक के अन्तर्गत आहरण किया गया और आयात सन्दर्भ से (संलग्न, यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेधितों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेखन न किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1947 रिवीजन) एण्डर मेनशनल चैम्बर आफ कामर्स, पब्लिकेशन सं. 290 के अधीन है। लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश

1. उपर्युक्त ऋण करार के अन्तर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए वचनबद्धता पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को लौटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताने हुए हमें ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट और उसके साथ एक प्रमाणपत्र प्रबन्ध भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेज सीधे ही हवाई डाक द्वारा को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अन्तर्गत सभी बैंक के खर्च आयातक/संभरक के खाते से देय हैं।

(अवधीय)

वाणिज्यिक बैंक द्वारा.....प्राधिकृत हस्ताक्षर

उपाबन्ध-5

प्रपत्र श्री ई सी एफ एल सी-2
अपरिवर्तनीय साखपत्र
(सेवामों के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

..... यह साखपत्र (ऋणी और विदेशी
..... आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए
..... दिनांक

(संभरक का नाम और पता) के अनुसरण में जारी किया गया है।

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए हितधिकारी के ड्राफ्ट एट मास्ट्र द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कुल धनराशि (येन से अधिक नहीं है) के लिए आवेदक के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र सं. खोल दिया है।

इसमें इसके साथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित परिचोजना के संबंध में डेका सं. में संबंधित दस्तावेज होने चाहिए। लेन-देन के लिए ड्राफ्ट से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं..... के अन्तर्गत ड्राफ्ट लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अन्तर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेधितों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एण्ड प्रैक्टिस फार डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिवीजन) इन्टरनेशनल चैम्बर आफ कामर्स प्रोशर सं. 290" के अधीन है।

लेन देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेश :—

- इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके मनोनित अधिकारी) द्वारा जारी किये गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् इस क्रेडिट के अन्तर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारम्भिक भुगतानों के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए हितधिकारी का विवरण अपेक्षित है।
- ऊपर उल्लिखित ऋण समझौते के अधीन जारी किए किए वचनबद्धता पत्र के उपबन्धों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि परेशिन करने का वचन देते हैं।
- उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही भेजे जाएंगे।
- इस साखपत्र के अन्तर्गत बैंक के सभी खर्च आयातकों/संभरकों के खाते में देय है।

अवधीय,

वाणिज्यिक बैंक द्वारा.....(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान प्रत्यूची

यह भुगतान प्रत्यूची हमारे साखपत्र संख्या का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि येन जो कुल सविदा मूल्य का प्रतिशत है।
अपेक्षित दस्तावेज : हितधिकारी का विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :

2. भुगतान प्रगति

सम्पूर्ण योग : धनराशि येन जो कुल सविदा का मूल्य प्रतिशत है।
जिसका भुगतान निम्न प्रकार से किया जाता है :—

देय धनराशि प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
पहली किस्त, येन
दूसरी किस्त, येन
.....
अपेक्षित दस्तावेज : (ऋण अथवा उनके समोनोन प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन का विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संदर्भ

सेवा में

.....
.....
.....

(संभरक का नाम और पता)

संदर्भ :—ऋण काल से के प्रत्यक्ष
परियोजना से संबंधित के नाम के
येन के लिए द्वारा जारी किए
साखपत्र की सं. दिनांक
(ऋणी) का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं यथोहस्ताक्षरी और
के बीच सविदा से

दिनांक में निम्न भुगतान की शर्तों के अनुसार
विदेशी आर्थिक सहायता निधि द्वारा येन की
धनराशि (..... येन मात्र) प्राप्त करने के लिए
..... को प्राधिकृत करने के लिए निष्पादन
विवरण जारी करता है।

(ऋणी)

द्वारा (प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेश :—

वस्तुविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।

भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साखपत्र सं. का
अभिन्न अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान धनराशि येन
कुल सविदा मूल्य का प्रतिशत है
अपेक्षित दस्तावेज :
अंतिम भुगतान तिथि :
2. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो) येन
धनराशि प्रतिशत है
कुल सविदा मूल्य का प्रतिशत है
अपेक्षित दस्तावेज :
प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :
3. पोत परिवहन दस्तावेजों के मद्दे भुगतान
धनराशि येन
कुल सविदा मूल्य का प्रतिशत है
टिप्पणी :—यह संलग्न शीट पात परिवहन दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान
के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE NO. 174—ITC(PN)|90—93

New Delhi, the 9th July, 1991

Subject : Licensing conditions in respect of import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.69 dated 27-3-1990 for Yen 0.084 Billion for the Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

File No. IPC|23(75)|90—93.—The terms and conditions governing the licensing conditions for import of equipment and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.69 dated 27-3-1990 for Yen 0.084 Billion for the Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports and Exports.

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE
PUBLIC NOTICE NO. 174—ITC(PN)|90—93,
DATED—9-7-1991.

Licensing conditions in respect of Import of Equipment and Services under the Yen Credit Loan No. ID.P. 69 Dated 27-3-90 for Yen 0.084 Billion for the Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services) extended by the Overseas Economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

Section I—General Conditions :

I. (i) The Yen Credit of Yen 0.084 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services), Rajasthan State Govt. is untied in favour of Japan, developing countries (including India) and all member countries of OECD. Accordingly the goods and

services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

1. (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTDCG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 0.092 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974 issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. IDP 69". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the Import licence to Indira Gandhi Nahar Board, Rajasthan State Government copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

1. (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Indira Gandhi Nahar Board.

1. (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 0.092 billion (CIF) as specified at (ii) above.

1 (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Deptt. of E.A. (Japan Section).

1 (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

1 (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such, payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

1 (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers

and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

1 (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealer; and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

1 (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

"..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of"

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-10-92.

Section II—special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review concurrence. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the documents etc. will also be submitted to OECF for its reference to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) When consulting firms are employed, such firms shall satisfy all of the following conditions :

(i) A majority of the subscribed shares shall be held by nationals of the Eligible Source Countries ;

(ii) A majority of the full-time directors shall be nationals of the Eligible Source Countries ;

(iii) such firms shall be incorporated and registered in the Eligible Source Countries.

(d) Prior approval of OECF shall also be obtained of the following documents for employment of the consultants :

(i) Terms of Reference ;

(ii) Short List of Consultants ;

(iii) Letter of Invitation ;

(iv) Evaluation Report including summary Evaluation Sheet.

(e) The following declaration as to the eligibility of the Consultant, signed and dated by the Consultant, shall be attached to each contract :

"I, the undersigned, hereby certify that,—
 ———(name of firm) has been incorporated and registered in—
 (name of the Eligible Source Country concerned), and is an eligible consulting firm,—per cent (%) of the subscribed shares being held by nationals of—(name of the

Eligible Source Countries concerned) and ———per cent (%) of the fulltime directors being nationals of—
 ———(name of the Eligible Source Countries concerned)".

(f) The application documents mentioned in (a)(i), (a) (ii), (b) and (d) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P 69 for 1989-90 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The Suppliers shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the Eligible Source Countries and actually conduct their business there.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted).

II (vii) Declaration in Contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in—(name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty per cent (50%) in accordance with the following formula :

$\frac{\text{IMPORTED CIF Price} + \text{Import Duty} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that—
(Name of company) has been incorporated and registered in—
(name of eligible source country), has its appropriate facilities for producing or providing the goods and services in (name of Eligible Source Country) and actually conducts its business there.

Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 15th Dec. 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P 69 dated 27th March, 1990 Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services).
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P 69 dated 27-3-90 between the Government of India and the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF IV (i) within stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier

supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV. (iii) The Ministry of Finance (Deptt. of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of EA to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers Letter of Credit procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendments or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there-under and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment of OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India of by remittance to the Bank of India Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importers as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or SBI Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalent of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and at rate of 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited along with the principle payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

[The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposit. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in public Notice No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the

CCI&E or through Exchange Control circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-8443-civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 0.084 Billion Yen credit No-ID-P69 for the Indira Gandhi Nahar Project (Engg. Services)

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers|their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans:—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents,

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi, is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence
The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against as about the Balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, B. Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licence and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payments", Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. JD-P.69 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECEP).

VIII (v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

Annexure-I List of eligible source countries.

Annexure II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure III Form of Letter of Authority.

Annexure IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure V Form of Letter of credit
(Applicable to Services).

ANNEXURE I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of
Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia
Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tome and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Togo, Afars and
Issas
Togo

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough,

- Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia
- III. AMERICA, North end
Cont.
Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
EL Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago
- III. AMERICA, North & Central
West Indies (Br.) n.e
(a) Associated States (1)
(b) Dependencies (2)
- IV. AMERICA, South
Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam
Uruguay

- V. ASIA, Middle East
Baharain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

- VI. ASIA, South
Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldivis
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

- VII. ASIA, Far East
Brunei
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of
Laos
Macao
Malaysia
Phillippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

- VIII OCEANIA
Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (6)
Nauru
New Calendonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (US) (6)
Papua New Guinea
Solomon Islands (Br.)
Tonga
Wallis and Futuna
Western Samoa

- IX. EUROPE
Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

- (1) Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
(2) Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.
(3) Main Islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba, St.

(a2) Member of Association Countries of OPEC

ANNEXURE—II

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date :

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001

Sub. : Import of from Japan under the
Yen Credit No. ID-P (Project Aid for
1981—88).

Sir,

In connection with the import of from under the above mentioned Yen Credit No. ID-P (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the (name of the Bank) which should be the same as given in (b) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of the contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address and nationality of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).

B. OECD Countries

Australia
Belgium
Canada
Denmark
Finland
France
The Federal Republic of
Germany
Greece
Iceland
Ireland
Italy
Japan
Luxembourg
the Netherlands
New Zealand
Norway
Portugal
Spain
Sweden
Switzerland
Turkey
U. K.
U.S.A.

(3) Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

(4) Including Aden and various sultates and emirates:

(5) Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.

(6) Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the importer or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

(We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers.)

ANNEXURE—III

(Letter of Authority Form)

No. F

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch
Tokyo (Japan)

Subject : Import under Yen Credit (Project Aid)
Loan Agreement No. ID-P Issue of
Letter of Authority for opening Letter
of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable letter of credit for an amount not exceeding Yen

favouring M/s.

as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name & address of importer's Banker) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers Bankers if any, are to be borne by the overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instruction in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :— With reference to their

1. Importer

letter No.

dated

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. Importers Banker (i) This has reference to import licence No. dt.

This letter of authorisation issued under the relevant Licensing conditions governing the imports under Yen credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee, equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Overseas suppliers in accordance with the Public Notices No. 113-ITC(PN)88-91 dated 6-4-89 or such other Public Notices as may be issued from time to time (Interest @ 12% per annum for the first 30 days and at the rate of 18% per annum for the period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment of the supplier/ date of reimbursement to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Govt. account is also required to be deposited into Government of India account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)83 dated 10-8-83. The interest is payable for both days i.e. the day on which payment is made to the Overseas supplier and also the date on which rupee deposit is made into Govt. account (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)68 dated 24-19-68, 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, No. 74-IT(PN)74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—843—Civil Deposits—Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan 0.084 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 69 dated 27-3-90.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notices No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), B-Wing, 5th Floor, Janpath Bhavan, New Delhi-1.

(v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice date 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

(vi) Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees, negotiable sets of shipping documents, etc. should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

((Accounts Officer))

ANNEXURE—IV FORM OECF—LC 1

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date:

To _____ This letter of Credit has been
_____ issued pursuant to Loan Agree-
_____ ment No. _____ Dated

between (Borrower) and THE
OVERSEAS ECONOMIC CO-
OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of — (Say yen) available by

your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents:

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No.

(if any) from To Partial shipments are permitted. Transshipment is permitted.

Bills of lading must be dated not later than Drafts must be presented for negotiation not later than

All Drafts and documents under this credit must be marked "Drawn under irrevocable credit No. dated and Import Reference No (s) (if any) This credit is not transferable."

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank:

1. After obtaining the reimbursement for our payments from The OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.
2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to—
3. All banking charges under this credit are for the account of importer|supplier.

Yours faithfully,
(a commercial bank)
By: Authorized Signature

ANNEXURE—V

Form OECF—LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

To _____ Date :
_____ This letter of Credit has
_____ been issued pursuant to
_____ Loan Agreement No. dated
(Name and address of the Supplier)
_____ between (Borrower) and THE
OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than ?

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. "

This credit is not transferable

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of document to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payments(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the importer|supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : (Authorised Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No.

I. Initial Payments

Amount : Yen

being% of the total contract price.

Required documents: beneficiary's Statement

Latest presentation date:

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen

being% of the total contract price to be paid as follows:

Amount due	Latest presentation
1st Instalment: Yen
2nd Instalment: Yen

1st Instalment: Yen

2nd Instalment: Yen

Required documents: A copy of State of Performance issued by (Borrower or its designated authority) a form of which is attached hereto.

STATEMENT OF PERFORMANCE

Date:

Ref. No.

To

(Name and address of the Supplier)

Re: Letter of Credit No. dated
issued by
for Yen in favour of
concerning
Project under Loan Agreement No.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle to receive the sum of Yen (Yen only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. dated between and

.....
(Borrower)

By
(Authorised Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our letter of Credit No.

I. Initial Payment

Amount : Yen

being% of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

II. Intermediate Payment (If any)

Amount: Yen

being% of the total contract price.

Required documents:

Latest presentation date:

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen

being% of the total contract price.

Note: This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.